SET — 1 Dr. T. PANDEY - 9430766649

P.G. चतुर्थ समसत्र (4th SEM) संस्कृत SNK-Core 410
दशम पत्र

1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिए गए विकल्पों में सही विकल्प चुनकर करें। -

(i) उत्तररामचरित नाटक का नायक .... है।
(क) राम (ख) लव (ग) भरत (घ) लक्ष्मण।

(ii) उत्तररामचरित का मुख्य रस .... है।
(क) वीर (ख) करुण (ग) भयानक (घ) हास्य।

(iii) महाकवि भवभूति का जन्म .... नगर में हुआ था।
(क) पद्मपुर (ख) गाजीपुर (ग) जौनपुर (घ) कानपुर।

(iv) भवभूति के पिता का नाम .... था।
(क) नीलकण्ठ (ख) वाणभट्ट (ग) मयूरभट्ट (घ) हर्ष

(v) शान्ता ... की पुत्री थी।
(क) जनक (ख) राजा दशरथ (ग) अज (घ) रावण।

(vi) मृच्छकटिक .... की रचना है।
(क) वाणभट्ट (ख) कालिदास (ग) शूद्रक (घ) विशाखदत्त।

(vii) चारुदत्त का पुत्र .... था।
(क) रोहसेन (ख) भरत (ग) भार्गव (घ) अमरसेन।

(viii) भवभूति के पितामह का नाम .... था।
(क) गोपाल भट्ट (ख) वाणभट्ट (ग) महेशभट्ट (घ) माघ।

(IX) मृच्छकटिक का नायक .... है।
(क) रोहसेन (ख) चारुदत्त (ग) विशाखदत्त (घ) श्यामदत्त।

(X) मृच्छकटिक एक .... है।
(क) नाटक (ख) प्रकरण (ग) व्यायोग (घ) त्रोटक।

SET-1

2- निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें।

(क) चारुदत्त अथवा वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण करें।

(ख) मृच्छकटिक के रचनाकार शूद्रक का परिचय प्रस्तुत करें।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या करें :-

(क) स्नेहं दयां च सौख्यं च यदि वा जानकीमपि ।
आराधनाय लोकस्य मुञ्चतो नास्ति मे व्यथा ॥

(ख) जीवत्सु तातपादेषु नूतने दारसंग्रहे ।
मातृभिश्चिन्त्यमानानां ते हि दिवसा गताः॥

(ग) एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद्
भिन्नः पृथक्पृथगिव श्रयते विवर्तान् ।
आवर्तबुद्बुदतरङ्गमयान्विकारा-
नम्भो यथा, सलिलमेव हि तत्समस्तम् ॥

(घ) इयं गेहे लक्ष्मीरियममृतवर्तिर्नयनयो -
रसावस्याः स्पर्शो वपुषि बहुलश्चन्दनरसः।
अयं बाहुः कण्ठे शिशिरमसृणो मौक्तिकसरः
किमस्या न प्रेयो यदि परमसह्यस्तु विरहः॥

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की संस्कृत में व्याख्या करें।

(क) शून्यमपुत्रस्य गृहं, चिरशून्यं नास्ति यस्य सन्मित्रम् ।
मूर्खस्य दिशः शून्याः सर्वं शून्यं दरिद्रस्य ॥

P.T.O.

(ख) राजगेहे गुरोर्गेहे विद्यागेहे सुरालये ।
आज्ञां प्राप्य प्रवेष्टव्यं भृत्यैश्छात्रैरुपासकैः ॥

(ग) एतत्तु मां दहति यत् गृहमस्मदीयं
क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति ।
संशुष्क सान्द्रमद लेखमिव भ्रमन्तः
कालात्यये मधुकराः करिणः कपोलम् ॥

(घ) दारिद्र्यान्मरणाद्वा मरणं मम रोचते न दारिद्र्यम् ।
अल्पक्लेशं मरणं दारिद्र्यमनन्तकं दुःखम् ॥

5. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं तीन का हिन्दी में अनुवाद करें ।

(क) कन्या दशरथो राजा शान्तानाम व्यजीजनत् ।
अपत्य कृतिकां राज्ञे रोमपादाय यां ददौ ॥

(ख) जनकानां रघूणां च सम्बन्धः कस्य न प्रियः
यत्र दाता ग्रहीता च स्वयं कुशिकनन्दनः ॥

(ग) लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते ।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति ॥

(घ) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति ॥

(ङ) त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयं द्वितीयं
त्वं कौमुदी नयनयोरमृतं त्वमङ्गे ।
इत्यादिभिः प्रियशतैरनुरुध्य मुग्धां
तामेव शान्तमथवा किमतः परेण ॥

Dr. T. PANDEY
H.O.D. Sanskrit
K.U

SET-2

P.G. 4th SEM (चतुर्थ समसत्र) SNK-Core-410

दशम पत्र

1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिए गए विकल्पों में सही विकल्प चुन कर करें।

(I) भवभूति का उपनाम .... था।

(क) उम्बेक (ख) विवेक (ग) चारुदत्त (घ) गोपालभट्ट।

(II) भवभूति का गोत्र .... था।

(क) भारद्वाज (ख) कश्यप (ग) अत्रि (घ) वशिष्ठ।

(III) भवभूति के पिता का नाम .... था।

(क) बाणभट्ट (ख) मयूर भट्ट (ग) नीलकण्ठ (घ) भारवि।

(IV) चारुदत्त का पुत्र .... था।

(क) अमरसेन (ख) अज (ग) रोहसेन (घ) वीरसेन।

(V) मृच्छकटिक की नायिका .... है।

(क) वसन्तसेना (ख) सीता (ग) वासन्ती (घ) कौसल्या।

(Vi) "तमसा" और "मुरला" नाटक की स्त्री पात्र हैं।

(क) मृच्छकटिक (ख) मालती-माधव (ग) उत्तररामचरित (घ) अन्य

(Vii) राजा दशरथ की पुत्री .... थी।

(1) वासन्ती (ख) आत्रेयी (ग) शान्ता (घ) मालती।

(Viii) राम की माता .... थी।

(क) सुमित्रा (ख) कौसल्या (ग) केकयी (घ) आत्रेयी।

(IX) मृच्छकटिक में अंकों की संख्या ... है।

(क) 5 (ख) 7 (ग) 10 (घ) 6

(X) उत्तररामचरित .... है।

(क) प्रकरण (ख) नाटक (ग) भाण (घ) व्यायोग।

SET 2

2. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें।

(क) शूद्रक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें।

(ख) मृच्छकटिक की नायिका का चरित्र चित्रण करें।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या करें।

(क) एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद
भिन्नः पृथक्पृथगिव श्रयते विवर्तान्।
आवर्तबुद्बुदतरङ्गमयान्विकारा-
नम्भो यथा, सलिलमेव हि तत्समस्तम्॥

(ख) जीवत्सु तातपादेषु नूतने दारसंग्रहे
मातृभिश्चिन्त्यमानानां ते हि दिवसा गताः॥

(ग) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति॥

(घ) जनकानां रघूणां च सम्बन्धः कस्य न प्रियः।
यत्र दाता ग्रहीता च स्वयं कुशिकनन्दनः॥

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की संस्कृत में व्याख्या-करें।

(क) प्राप्नुवन्ति सदा सौख्यं भृत्या राज्ञः प्रशासने।
न स्वतन्त्रा भवन्त्येतेऽवकाशे निर्गमे क्वचित्॥

(ख) एतत्तु मां दहति यत् गृहमस्मदीयं
क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति।
संशुष्कसान्द्रमदलेखमिव भ्रमन्तः
कालात्यये मधुकराः करिणः कपोलम्॥

(2)

(ग) दारिद्र्यान्मरणाद्वा मरणं मम रोचते न दारिद्र्यम् ।
अल्पक्लेशं मरणं दारिद्र्यमनन्तकं दुःखम् ॥

(घ) यासां बलिः सपदि मद्गृहदेहलीनाम्
हंसैश्च सारस गणैश्च विलुप्तपूर्वः ।
तास्वेव सम्प्रति विरूढतृणाङ्कुरासु
बीजाञ्जलिः पतति कीटमुखावलीढः ॥

5. निम्नलिखित में से किन्ही तीन श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें ।

(क) स्नेहात् सभाजयितुमेत्य दिनान्यमूनि
नीत्वोत्सवेन जनकोऽद्य गतो विदेहान् ।
देव्यास्ततो विमनसः परिसान्त्वनाय
धर्मासनाद् विशति वासगृहं नरेन्द्रः ॥

(ख) कन्या दशरथो राजा शान्ता नाम व्यजीजनत् ।
अपत्यकृतिकां राज्ञे रोमपादाय यां ददौ ॥

(ग) इयं गेहे लक्ष्मीरियममृतवर्तिर्नयनयो-
रसावस्याः स्पर्शो वपुषि बहुलश्चन्दनरसः ।
अयं बाहुः कण्ठे शिशिरमसृणो मौक्तिकसरः
किमस्या न प्रेयो यदि परमसह्यस्तु विरहः ॥

(घ) [illegible] दिष्ट्या सोऽयं महाबाहुरञ्जनानन्दवर्धनः ।
यस्य वीर्येण कृतिनो वयं च भुवनानि च ॥

(ङ) यत्रानन्दाश्च मोदाश्च पुण्याश्च सम्पदः ।
वैराजा नाम ते लोकास्तैजसा ते शिवाः ॥

Dr. T. PANDEY
H.O.D. Sanskrit
K.U.

(3)

SET-3

P.G. 4th SEM (चतुर्थसमसत्र) SNK-Core-410
दशमपत्र

1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिए गए विकल्पों में सही विकल्प चुनकर करें।

(I) लक्ष्मण का पुत्र .... है।
(क) लव (ख) कुश (ग) चन्द्रकेतु (घ) दाडी

(II) सीता राजा ... की पुत्री थी।
(क) जनक (ख) अज (ग) रघु (घ) विक्रमादित्य।

(III) भवभूति का गोत्र .... था।
(क) कश्यप (ख) अत्रि (ग) भारद्वाज (घ) चान्द्रायण

(IV) राजा दशरथ की पुत्री का नाम ... था।
(क) आत्रेयी (ख) शान्ता (ग) उर्वशी (घ) वासन्ती।

(V) भवभूति .... के पुत्र थे।
(क) मयूरभट्ट (ख) महेशभट्ट (ग) नीलकण्ठ (घ) भारवि।

(VI) भवभूति का जन्म ... में हुआ था।
(क) गाजीपुर (ख) पद्मपुर (ग) हस्तिनापुर (घ) श्रीनगर।

(VII) मृच्छकटिक में अंकों की संख्या ... है।
(क) 10 (ख) 5 (ग) 7 (घ) 9

(VIII) मृच्छकटिक .... की रचना है।
(क) कालिदास (ख) शूद्रक (ग) भवभूति (घ) हर्ष

IX- वसन्तसेना एक .... है।
(क) रानी (ख) महारानी (ग) गणिका (घ) दासी

X- भवभूति के पितामह का नाम ... था।
(क) बाणभट्ट (ख) गोपालभट्ट (ग) दण्डी (घ) हर्ष।

SET-3

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें

मृच्छकटिक के नायक अथवा नायिका का चरित्र-चित्रण करें।

अथवा

मृच्छकटिक में शूद्रक द्वारा वर्णित समाज का चित्रण करें।

3. निम्नलिखित में से किन्ही दो श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या करें।

(क) अद्वैतं सुखदुःखयोरनुगतं सर्वास्ववस्थासु य-
विश्रामो हृदयस्य यत्र जरसा यस्मिन्नहार्यो रसः।
कालेनावरणात्ययात्परिणते यत्स्नेहसारे स्थितं
भद्रं तस्य सुमानुषस्य कथमप्येकं हि यत्प्राप्यते॥

(ख) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति ॥

(ग) जनकानां रघूणां च सम्बन्धः कस्य न प्रियः
यत्र दाता ग्रहीता च स्वयं कुशिकनन्दनः॥

(घ) अयि कठोर! यशः किल ते प्रियं
किमयशो ननु घोरमतः परम्।
किमभवद् विपिने हरिणीदृशः
कथय नाथ! कथं बत मन्यसे? ॥

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्ही दो की संस्कृत में व्याख्या करें।

(क)
यासां बलिः सपदि मद्गृहदेहलीनाम्
हंसैश्च सारसगणैश्च विलुप्तपूर्वः।
तास्वेव सम्प्रति विरूढतृणाङ्कुरासु
बीजाञ्जलिः पतति कीटमुखावलीढः॥

(ख) शून्यमपुत्रस्य गृहं, चिरशून्यं नास्ति यस्य सन्मित्रम् ।
मूर्खस्य दिशः शून्याः सर्वं शून्यं दरिद्रस्य ॥

(ग) एतत्तु मां दहति यद् गृहमस्मदीयं
क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति ।
संशुष्कसान्द्रमदलेखमिव भ्रमन्तः
कालात्यये मधुकराः करिणः कपोलम् ॥

(घ) प्राप्नुवन्ति सदा सौख्यं भृत्या राज्ञः प्रशासने ।
न स्वतन्त्रा भवन्त्येते ऽवकाशे निर्गमे क्वचित् ॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें ।

(क) दिष्ट्या सोऽयं महाबाहुरञ्जनानन्दवर्धनः ।
यस्य वीर्येण कृतिनो वयं च भुवनानि च ॥

(ख) वसिष्ठाधिष्ठिता देव्यो गता रामस्य मातरः ।
अरुन्धतीं पुरस्कृत्य यज्ञे जामातुराश्रमम् ॥

(ग) उत्पत्तिपरिपूतायाः किमस्याः पावनान्तरैः ।
तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः ॥

(घ) कन्यां दशरथो राजा शान्तां नाम व्यजीजनत् ।
अपत्यकृतिकां राज्ञे रोमपादाय यां ददौ ॥

(ङ) दुःखसंवेदनायैव रामे चैतन्यमाहितम् ।
मर्मोपघातिभिः प्राणैर्वज्रकीलायितं हृदि ॥

Dr. T. PANDEY
H.O.D. Sanskrit
K.U.

③

Answer Sheet

4th Sem Sanskrit SNK-410 दशमपत्र

प्रश्न संख्या 1 का उत्तर (वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का)

SET-1	SET-2	SET-3
(i) — क	(I) — क	(I) — ग
(II) — ख	(II) — ख	(II) — क
(iii) — ग	(III) — ग	(III) — क
(IV) — ग	(IV) — ग	(IV) — ख
(V) — क	(V) — क	(V) — ग
(VI) — ग	(VI) — ग	(VI) — ख
(VII) — ग	(VII) — ग	(VII) — क
(VIII) — ख	(VIII) — ख	(VIII) — ख
IX — ग	(IX) — ग	(IX) — ग
X — ख	(X) — ख	(X) — ख

(4)

Dr. T. PANDEY
H.O.D. Sanskrit
K.U.

Dr T. Pandey

H.O.D. Sanskrit

K.U.

9430766649